# गन्ना कृषक माह अगस्त में क्या करें!

1– यदि आवश्यक हो तो बेधक कीटों के जैविक नियंत्रण हेतु माह जुलाई की भॉति ट्राइकोकार्ड्स गन्ना फसल में बॉधें।

2– माह के अन्त में अन्तिम रूप से गन्ने के थानों पर 20–25 से0मी0 मिट्टी चढ़ायें। मिट्टी चढ़ाने के उपरान्त वर्षा न होने पर सिंचाई करें।

3– यदि आवश्यक हो तो खेत से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।

4– इस माह के अन्त तक प्रथम बॅधाई के 50 से0मी0 ऊपर द्वितीय बॅधाई करें।

5– जून/जुलाई में बोये गये सनई/ढैंचा फसल को अगस्त के अन्त में हरी खाद हेतु पलटाई कर मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करें।

6– यदि सम्भव हो तो गन्ने की सूखी पत्तियों को नीचे गिरा दें। इससे बेधकों का आपतन कम होता है। सूखी पत्तियॉ सड़कर जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ाती हैं।

7– शरद्कालीन गन्ने की बुवाई हेतु बीज, उर्वरक, रसायन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि बुवाई के समय किसी निवेश की कमी नहीं हो।

**स्वीकृत प्रजाति जो हैं अपनाते। कभी नहीं वे धोखा खाते।।**